Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MMHAPU
MJMC/SEM 1/Paper 101
Date- 18/06/2021

The Spiral of Silence Theory
मौन के वलय का सिद्धांत

अन्य सिद्धांतों की अपेक्षा जनमाध्यमों को अधिक प्रभावशाली माध्यम के रूप माना गया है यह सिद्धांत इसी पर फोकस करता है। ''मौन का वलय'' सिद्धांत का प्रतिपादन जर्मन राजनीतिक विशेषज्ञ **प्रो. एलिजाबेथ नोयले न्यूमैन** (Elisabeth Noelle-Neumann) ने वर्ष **1973–80** में किया। इस सिद्धांत में इन्होंने बताया कि संदेश का जनमत पर काफी गहरा प्रभाव पड़ता है लेकिन शोध अध्ययन की कमी के कारण संदेश की प्रभाव क्षमता को कम आंका गया। इस सिद्धांत में उन्होंने जनमाध्यमों की तीन विशेषताओं को बताया। जिसमें **संचयन** या **संग्रह**, **सर्वव्यापकता** और **सामंजस्य**। यह विशेषताएं संयुक्त रूप से जनमत पर गहरा प्रभाव डालता है। न्यूमैन के अनुसार, जनमाध्यम की सामंजस्य की विशेषता किसी भी घटना या मुद्दे का एकीकृत चित्र प्रस्तुत करता है जिसे विभिन्न समाचार पत्र/पत्रिकाओं, टेलीविजन एवं अन्य जन संचार माध्यमों के द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।

किसी भी विवादास्पद मुद्दे पर विचार व्यक्त करने से पहले लोग जनमत की अवस्था का अध्ययन करते हैं। वे यह अध्ययन करते हैं कि उनकी धारणा या विचार कहां तक बहुमत में थी और वे यह जानने का प्रयास करते हैं कि जनमत कहां तक उनसे सहमत हो रहा है या परिवर्तित हो रहा है। यदि वे अनुभव करते हैं कि वे अल्पमत में हैं तो वे उस मुद्दे पर विचार या धारणा व्यक्त नहीं करते और मौन रहते हैं। यदि वे सोचते हैं कि जनमत उनकी धारणा के अनुरूप बदल रहा है तो भी वह उस मुद्दे पर धारणा या विचार व्यक्त नहीं करता। उसका मौन और अधिक गहरा हो जाता है। इसमें देखा जाता है कि कोई विशेष दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से किसी के द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जाता है। इस प्रक्रिया में जनमाध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। न्यूमैन ने जनमाध्यम 'मौन के वलय' को तीन प्रकार से प्रभावित करता है–

1. वह उस प्रभाव के आकार को निर्धारित करता है जो बहुमत में है और प्रभुत्ववादी है।
2. वे उस धारणा के प्रभाव को भी निर्धारित करता है जिसकी स्वीकार्यता समाज में तेजी से बढ़ता है।
3. वे उस धारणा या विचार के प्रभाव को भी निर्धारित करता है जो जनता में उन्हें समूह से अलग किए बिना स्थान बना सकता है।

इन्होंने अपने सिद्धांत में बताया कि अभिव्यक्ति की इच्छा मत की स्वीकार्यता की सम्भावना से प्रेरित और प्रभावित होती है। यदि किसी धारणा का स्वभाव किसी व्यक्ति के विरूद्ध जाता है

तो वह व्यक्ति उस धारणा की अभिव्यक्ति नहीं करेगा और वह मौन रहगा। इस सिद्धांत को हम चित्र के द्वारा समझ सकते हैं।

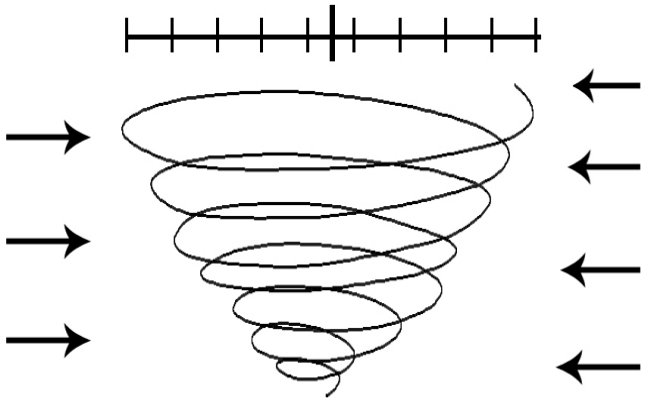

Elisabeth Noelle-Neumann's Spiral of Silence

उपरोक्त चित्र जनमाध्यम प्रभुत्व विचारधारा को व्यक्त कर रहा है। जिससे अल्पमत विचारों को अंतरवैयक्तिक सहयोग में कमी आती जा रही है जिससे मौन का वलय बनता है। इसमें बहुमत या प्रभुत्व वाले विचार व्यक्त करने वाले लोगों की संख्या बढ़ती है। इस प्रकार नोयले न्यूमैन ने यह स्पष्ट किया कि बहुमत द्वारा प्रस्तुत विचार से अल्पमत समूह के लोग या तो मौन हो जाते हैं या अपने विचारों को परिवर्तित करके बहुमत विचार वालों के साथ जुड़ जाते हैं।

*****